|  |
| --- |
| 05. Februar 2023 |
| **05. Sonntag im Jahreskreis A** |
| Erste Lesung: Jes 58,7-10; Zweite Lesung:1 Kor 2,1-5; Evangelium: Mt 5,13-16 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 481, 1+4-6 | Sonne der Gerechtigkeit |
|  | GL 144,1+2+5 | Nun jauchzt dem Herren alle Welt |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 130 | Herr, erbarme dich |
| Gloria: | GL 131 | Ehre sei Gott in der Höhe |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 112, 4-9 |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 629,1 | Du führst mich hinaus ins Weite |
|  | oder |  |
|  | Kehrvers: |
|  | GL 61, 1 | Selig der Mensch |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 149, 1+2 | Liebster Jesu |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 7 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *So spricht der Herr:* *Ich bin das Licht der Welt.* |
|  | *Wer mir nachfolgt, hat das Licht des Lebens.* |
|  | oder |  |
|  | GL 483, 2 | Ihr seid das Licht in der Dunkelheit |
|  |  |  |
| Credo: | GL 491, 1-3 | Ich bin getauft und Gott geweiht |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 440 | Hilf, Herr, meines Lebens |
|  | GL 446, 1-4 | Lass uns in deinem Namen |
|  | GL 474, 1-5 | Wenn wir das Leben teilen |
| Sanctus: | GL 132 | Heilig |
| Agnus Dei: | GL 133 | Lamm Gottes |
| Danksagung:  | GL 709, 1+2! | Herr, sei gepriesen immerfort  |
|  | GL 348, 3+4!+5 | Du stille Macht |
|  | GL 371,2 | Wer liebt, kehrt zu dir nach Haus |
|  | GL 216, 1+3 | Im Frieden dein |
|  | GL 427, 2 | Bei dir, Herr, ist des Lebens Quell |
|  | GL 452, 1-4! | Der Herr wird dich  |
|  | GL 741, 1-3 | Fröhlich wollen wir dich preisen |
|  |  |  |
| Schlusslied: | GL 360, 5 | Die ihr von Christi Hause seid |
|  | GL 362 | Jesus Christ, you are my life |